

भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +2391

सोमवार, 08 जुलाई, 2019/17 आषाढ, 1941 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन स्थलों का विकास

+2391. श्री प्रद्युत बोरदोलोई:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या विश्व भर के विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए उत्तर-पूर्व क्षेत्र में विकास की अधिकतम क्षमता है तथा वहां कई उल्लेखनीय पर्यटन स्थल हैं;
- (ख) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन के संवर्धन एवं पर्यटन स्थलों के विकास हेतु सरकार द्वारा की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार को गत दो वर्षों के दौरान उक्त क्षेत्रों को बढ़ावा देने तथा पर्यटन स्थलों के रूप में उनका विकास करने हेतु असम राज्य सरकार से इस संबंध में प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) और (ख) : जी, हां। पर्यटन मंत्रालय ने पूर्वोत्तर क्षेत्र में पर्यटन अवसंरचना के विकास/उन्नयन, पर्यटन उत्पादों में विविधता, पर्यटन और आतिथ्य उद्योग को कुशल जनशक्ति उपलब्ध कराने के द्वारा पर्यटक अनुभव को बढ़ाने के लिए और पूर्वोत्तर में अपनी योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से प्रमुख पर्यटन स्थलों के संवर्धन के लिए विभिन्न परियोजनाएं स्वीकृत की हैं। भारत सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित देशभर में सेमीनार, विज्ञापन (प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक), मेलों और प्रदर्शनियों आदि के माध्यम से पर्यटन गंतव्यों का संवर्धन करती है। पूर्वोत्तर राज्यों को महत्वपूर्ण पर्यटन मार्गों/प्रदर्शनियों जैसे कि डब्ल्यूटीएम लंदन, आईटीबी बर्लिन आदि में मानार्थ स्थान दिया जाता है। वर्ष 2018-19 के दौरान पर्यटन मंत्रालय ने अपनी आतिथ्य योजना के अन्तर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र में महत्वपूर्ण आयोजनों को कवर करने के लिए टूर ऑपरेटर्स, यात्रा एजेण्टों, मीडिया आदि को आमन्त्रित किया था।

पिछले तीन वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए स्वीकृत महत्वपूर्ण परियोजनाओं के वर्ष-वार ब्यौरे अनुबंध में दिये गये हैं।

(ग) और (घ) : असम सरकार ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत अध्यात्मिक और पूर्वोत्तर परिपथ के विकास के लिए दो प्रस्ताव प्रस्तुत किये हैं और पिछले दो वर्षों में केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता स्कीम के अन्तर्गत कोकराझार में धीर बिल में पर्यटक कैम्पस के लिए बोडोलैण्ड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) के एक प्रस्ताव को अग्रेषित किया है। तथापि, प्रस्ताव या तो पूर्व में स्वीकृत परियोजनाओं का हिस्सा थे या स्कीम की मूल भावना के अनुसार उन्हें संशोधित करने की आवश्यकता थी। राज्य सरकार को तदनुसार सूचित कर दिया गया था।

उत्तर-पूर्व क्षेत्र में पर्यटन स्थलों का विकास के सम्बन्ध में दिनांक 08.07.2019 को लोक सभा लिखित प्रश्न सं. +2391 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए स्वीकृत परियोजनाओं की सूची:

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	स्वीकृति का वर्ष	परिपथ का नाम	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	मेघालय	2016-17	पूर्वोत्तर परिपथ	उमियम (लेक-व्यू) यूलुम-सोहपेटबनेंग-मावडियांगडियांग - आर्किड लेक रिजार्ट, का विकास	99.13
2.	मणिपुर		आध्यात्मिक परिपथ	आध्यात्मिक परिपथ - श्रीगोविंदजी मंदिर- श्रीबिजय गोविंदजी मंदिर-श्रीगोपीनाथ मंदिर- श्रीबंगशीबोदन मंदिर- श्रीकैना मंदिर, का विकास	53.80
3.	सिक्किम		पूर्वोत्तर भारत परिपथ	सिंगतम-माका-तेमी-बेरमोइक तोकल- फोंगिया- नामची- जोरथांग- ओकारे-सोमबारिया- दरमदीन-जोरेथांग- मेली (निकास) को जोड़ने वाले पर्यटक परिपथ विकास	95.32
4.	नागालैंड		जनजातीय परिपथ	जनजातीय परिपथ का विकास (मोकोकचुंग-तुएनसांग-मोन)	99.67
5.	मिजोरम		इको परिपथ	"इको-रोमांचकारी परिपथ आइजवाल-रॉपुइछिप-खॉहफॉव-लेंगपुई-डर्टलॉग-चतलांग-सकद्रवमुईट्वेट-लॉग-मुथी-बेराटलॉग-तुइरियाल एयर फील्ड-मुईफॉग" का विकास	99.07
6.	असम		विरासत	विरासत परिपथ के रूप में	98.35

			परिपथ	तेजपुर-माजुली-सिबसागर का विकास	
7.	त्रिपुरा	2018-19	पूर्वोत्तर परिपथ	पूर्वोत्तर परिपथ: सुरमा छेरा-उनाकोटी -जुम्पुई हिल्स-गुनाबाती-भुनानेश्वरी-माताबाडी-नीरमहल- बॉक्सानगर-छोटा खोला- पिलक- अवांगछारा का विकास	65.00
8.	मेघालय		पूर्वोत्तर परिपथ	पश्चिमी खासी पहाड़ियों (नॉन्गखलॉव - क्रेम तिरॉट - खुदोई तथा कोहमांग जलप्रपात-खरी नदी मावथाद्राशियान शिलांग), जयंतिया पहाड़ियां (करांग सूरी जलप्रपात शिरमांग-इयूक्सी), गारो पहाड़ियों (नेक्रिक रिजर्व, कट्टा बील, सीजु गुफाएं) का विकास	84.97
कुल					695.31

विगत तीन वर्षों के दौरान मेले और उत्सव आयोजित करने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र को स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(लाख रु. में)

राज्य का नाम	साल	मेलों और महोत्सव का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
असम	2016-17	(i) रास महोत्सव, माजुली, 2016	35.00	35.00
		(ii) बोडो नेशनल फेस्टिवल, 2016		
		(iii) रोंगाली महोत्सव, 2017		
	2017-18	शून्य	शून्य	शून्य
	2018-19	(i) रोंगाली उत्सव	50.00	50.00
		(ii) अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध सम्मेलन		
अरुणाचल प्रदेश	2016-17	शून्य	शून्य	शून्य
	2017-18	(I) तवांग महोत्सव, 2017	40.00	40.00

		(ii) मेंचुका एडवेंचर फेस्टिवल, 2017 (iii) ऑरेंज फेस्टिवल डम्बुक , 2017		
	2018-19	बसर कान्फ्लूएंस 3.0	20.00	20.00
मणिपुर	2016-17	(i) मणिपुर संगार्ई महोत्सव (ii) युवा एडवेंचर (iii) वाटर एडवेंचर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2016	50.00	50.00
	2017-18	(i) मणिपुर संगार्ई महोत्सव 2017 (ii) "यूथ एडवेंचर एंड वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल 2017"	50.00	50.00
	2018-19	शून्य	शून्य	शून्य
मेघालय	2016-17	(i) वांगला डांस फेस्टिवल (ii) नॉंगक्रेम नृत्य महोत्सव, 2016	42.22	42.22
	2017-18	(I) वंगाला नृत्य महोत्सव 2017, (ii) नॉंगक्रेम नृत्य महोत्सव 2017 (iii) लासूबोन महोत्सव 2017	50.00	50.00
	2018-19	(i) वांगला डांस फेस्टिवल (ii) नॉंगक्रेम डांस फेस्टिवल 2018	50.00	50.00
मिजोरम	2016-17	शून्य	शून्य	शून्य
	2017-18	(i) शीतकालीन महोत्सव 2017 (ii) चापचर कुट 2018	50.00	50.00
	2018-19	शून्य	शून्य	शून्य
नागालैंड	2016-17	हॉर्नबिल फेस्टिवल, 2016	25.00	25.00
	2017-18	(i) सेक्रेनी महोत्सव (ii) हॉर्नबिल फेस्टिवल रेंगमा का नग्दाह फेस्टिवल	50.0	50.00
	2018-19	शून्य	शून्य	शून्य
सिक्किम	2016-17	(i) विश्व पर्यटन दिवस, 2016 गंगटोक (ii) रेड पांडा विंटर फेस्टिवल, 2016 का उत्सव गंगटोक	50.00	50.00
	2017-18	(i), रेड पांडा विंटर फेस्टिवल,	50.00	50.00

		2017 गंगटोक (ii) विश्व पर्यटन दिवस, 2017 गंगटोक		
	2018-19	(i) विश्व पर्यटन दिवस (ii) रेड पांडा महोत्सव, गंगटोक	50.00	50.00

विगत तीन वर्षों के दौरान आईटी परियोजनाओं के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र को स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(लाख रु. में)

साल	राज्य / केन्द्र शासित प्रदेशों	परियोजनाओं का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
2017-18	नगालैंड	सूचना प्रौद्योगिकी के लिए सीएफए, नागालैंड 2017-18	50.00	45.00
2018-19	नगालैंड	सूचना प्रौद्योगिकी, के लिए सीएफए, नागालैंड 2018-19	50.00	45.00
